©mayurpuri.com

दिल तोड़ के ना जा

मुखड़ा:
दिल तोड़ के ना जा
मुँह मोड़ के ना जा
दिल तोड़ के ना जा
मुँह मोड़ के ना जा
इश्क़ होवे ना होवे ना बेरहम बेवजह

अंतरा 1:
टूटा टूटा दिल हाय
हाय रूठा रूठा रब
हमने है जाना अब क्या है प्यार का सबब
बसा किसका जहाँ
हुआ शाद कोई कब
जितनो के लगे दिल रोए सब के सब
यही होता है आया प्यार का है सरमाया
यही होता है आया प्यार का है सरमाया
तप तप के ही होगा सोना मन का खरा

दिल तोड़ के ना जा
मुँह मोड़ के ना जा

अंतरा 2:
संग संग चलने की कैसी तोड़ी है कसम
फिर बातें मंज़िलों की अजी छोड़िए सनम
इक बार नहीं देखा पीछे मुड़ आपने
उसी मोड़ पे खड़े है मेरे तंहा कदम
नया नश्तर कोई लाएँ
हम ही पे आज़माएँ
हम ही पे आज़माएँ
नया नश्तर कोई लाए
दिए पहले ज़ख़्म वो ही काफ़ी नहीं क्या

दिल तोड़ के ना जा
मुँह मोड़ के ना जा

©mayurpuri.com